

द्रयागस्तुनु बनाम शक्तिशोर १५

मुकदमा नम्बर :-

१३

क्रम संख्या	दिनांक आज्ञा या कार्यवाही	आज्ञा विस्तृत रूप से
13/10/25	कम- ३५	<p>वहका रिपोर्ट देकर डिया काल पत्रवाणी वाले बहका रिपोर्ट दिनांक २५/१०/२० को पेडा लगा</p>
२५/१०/२५	कम- ३५	<p>वहका रिपोर्ट पर कुणी बहका पर मजबूत किया वाया रिपोर्ट करके अपने स्विकार साथ ही का कोठे की डिया के काका करके के बारे के नही बताया गया। साथ ही यह बताया काका के द्वारा यह काका लकाका जवाबे बाबा नही लगाई वासी थी। डिया पत्रवाणी के पाडी के द्वारा लकाका डी खाटा गया है। रिपोर्ट व्यायमित का महर मपर करके हुया तथा वाड पेडा करके की डेट के साथ डाया रिपोर्ट किया गाता है रिपोर्ट पृथक के किया काका वासिका पत्रवाणी किया वाया। डी पया गाती है। पत्रवाणी प्रमाण डी गेट डी गेट डी गेट के कलक लया डी रिपोर्ट देकर है।</p>

सहायक कलक्टर (फास्ट ट्रैक)
 चौम जयपुर

न्यायालय सहायक कलक्टर (फा०ट्रैक/मु०) चौमूं, जिला-जयपुर
पीठासीन अधिकारी :-कनक जैन(R.A.S.)

मुकदमा नं०:-193/2024

उनवान

श्यामसुन्दर पुत्र सत्यनारायण जाति नाई, निवासी ग्राम निवाणा, तहसील चौमूं, जिला जयपुर।

-वादी-

बनाम

1. रामकिशोर पुत्र सत्यनारायण जाति नाई, निवासी ग्राम निवाणा, तहसील चौमूं, जिला जयपुर।
2. रेखा पुत्री सत्यनारायण पत्नि महेश सैन, जाति नाई, निवासी ग्राम खूड, तहसील दांतारामगढ, जिला सीकर
3. रेणु पुत्री सत्यनारायण पत्नि कैलाश चन्द जाति नाई, निवासी ग्राम खूड, तहसील दांतारामगढ, जिला सीकर।
4. राजस्थान सरकार जरिये लैण्ड होल्डर तहसीलदार, तहसील चौमूं, जिला जयपुर।
5. उपपंजीयक, पंजीयन कार्यालय चौमूं/खेजरोली, जिला जयपुर।

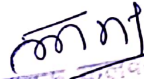
-प्रतिवादीगण

**वाद बाबत् तकासमा व स्थायी निषेधाज्ञा
अन्तर्गत धारा 53 व 188 रा०का०अधिनियम 1955**

निर्णय

दिनांक :-24.10.2025

वादीगण की ओर से वाद पत्र इस आशय का पेश किया गया है कि आराजीयात खाता संख्या 444 में वर्णित खसरा नम्बर 8/1 रकबा 0.16 है०, खसरा नम्बर 9/1 रकबा 0.30 है० कुल किता 2 का कुल रकबा 0.46 है० भूमि वाके ग्राम निवाणा,पटवार हल्का निवाणा, भू०अ०नि०क्षेत्र नांगलभरडा, तहसील चौमूं, जिला जयपुर में स्थित है। जो इस वाद पत्र विवादित भूमि है। खातेदार संतोष देवी पत्नि सत्यनारायण का स्वर्गवास हो गया है। जिसका विरासत का नामान्तकरण नहीं खुला है। जिसके वारिस वादी एवं प्रतिवादीगण संख्या 1 लगा० 3 है। विवादग्रस्त आराजीयात् में खाता संख्या 444 में वादी का हिस्सा 1/4 भाग निहित है एवं शेष हिस्सा प्रतिवादी संख्या 1 का 1/4 भाग, प्रतिवादीया संख्या 2 का 1/4 भाग, प्रतिवादीया संख्या 3 का 1/4 भाग निहित है तथा राजस्व रिकॉर्ड में वादी का हिस्सा 1/5 भाग दर्ज है लेकिन वादी की माता संतोष देवी का स्वर्गवास हो जाने के कारण उनका विरासत का हिस्सा वादी व प्रतिवादीगण संख्या 1 ता 3 का है। जिससे पत्येक का हिस्सा 1/4 भाग निहित है। विवादित भूमि का बाहमी बंटवारा वादी व प्रतिवादीगण ने अर्से दराज कर रखा है। जिसका विधिवत तकासमा राजस्व रिकॉर्ड में नहीं हुआ है। प्रतिवादीगण संख्या 1 लगा० 3 दिनांक 25.10.2024 को बाहमी व्यक्तियों को साथ लेकर कब्जा करने की लिये सींव डोल फोडने लगे तथा विवादित भूमि से बेदखल


सहायक कलक्टर (फा०ट्रैक)
चौमूं, जयपुर

करने पर आमादा हो गये, जिस पर वादी ने कहा कि भूमि का विभाजन नहीं हुआ है विभाजन करवा लो जिस पर प्रतिवादीगण संख्या 1 लगा 0 3 ने कहा कि हमारे पास काफी संख्या में आदमी है हमारी इच्छा के अनुसार अच्छी अच्छी जमीन पर कब्जा करेंगे तथा लठ के बल पर कब्जा करने व बिना विभाजन करवाये ही निर्माण कार्य करने पर आमादा हो गये। जिससे यह वाद पत्र पेश करना आवश्यक हुआ है।

वादी ने उक्त वाद पत्र पेश कर निम्न अनुतोष चाहा है कि वाद वादी विरुद्ध प्रतिवादीगण निम्न प्रकार डिक्री फरमाया जावें कि विवादित आराजीयात् का बाई मिट्स एण्ड बाउण्डस कब्जे को मध्य नजर रखते हुये तकासमा किया जाकर पर्चा लगान अलग अलग निर्धारित किया जावें। प्रतिवादीगण संख्या 1 ता 5 को जरिये स्थाई निषेधाज्ञा से पाबन्ध करवायें कि वादी के उपयोग उपभोग में मजाहमत व मदादखलत नहीं करें तथा बिना विभाजन करवायें विशिष्ट भू-भाग का बेचान हस्तान्तरण नहीं करें तथा विशिष्ट भू-भाग पर पुख्ता निर्माण नहीं करें एव ना ही विवादित भूमि से बेदखल करें, ना ही निर्माण करें तथा बिना विभाजन करवायें विशिष्ट भू-भाग पर कब्जा नहीं करें, ना ही कृषि भूमि को अकृषि प्रयोजनार्थ परिवर्तन करें, तथा प्रतिवादीगण संख्या 4 राजस्व रिकॉर्ड में परिवर्तन नहीं करें तथा प्रतिवादीगण संख्या 5 प्रतिवादीगण संख्या 1 ता 3 द्वारा प्रस्तुत किसी भी प्रकार का कोई लेख पत्र पंजीबद्ध नहीं करें।

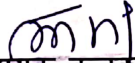
वादीगण का वाद पत्र दर्ज रजिस्टर कर प्रतिवादीगण को जरिये नोटिस तलब किया गया। प्रतिवादीगण संख्या 1 ता 3 की ओर से वकील चन्द्रप्रकाश सैनी ने वकालतनामा पेश किया। प्रकरण में प्राथमिक डिक्री जारी कर तहसीलदार चौमूं को कुर्रेजात प्रस्ताव हेतु लिखा गया। तहसीलदार चौमूं से प्राथमिक डिक्री की पालना में दिनांक 03.09.2025 को रिपोर्ट प्राप्त हुई जिनमें तहसीलदार चौमूं ने रिपोर्ट में कथन किया की वादी को दुरभाष पर सम्पर्क किया गया जिस पर वादी के द्वारा अन्यत्र निवास करने के कारण मौके पर आने में असमर्थता जाहिर कि गई और भूमि विवादग्रस्त में अपने हिस्से में आई भूमि का कोई भी दिशा में काश्त करने के बारे में नहीं बताया गया साथ ही यह भी बताया की हमारे द्वारा यह फाईल तकासमा करवाने बाबत नहीं लगाई गयी थी। इसलिए तहसीलदार चौमूं द्वारा उक्त पत्रावली में वादी द्वारा तकासमा नहीं चाहे जाने पर कुर्रेजात प्रस्ताव तैयार करना सम्भव नहीं है।

हमने प्रकरण में उभयपक्षों की बहस सुनी तथा उपलब्ध दस्तावेजात एवं तहसीलदार चौमूं की रिपोर्ट का अवलोकन किया। वादी का वाद तकासमा एवं स्थाई निषेधाज्ञा का है, लेकिन मुताबिक रिपोर्ट तहसीलदार चौमूं वादी द्वारा उक्त पत्रावली तकासमा करवाने हेतु पेश नहीं किया गया है। उक्त पत्रावली में वादी के द्वारा तकासमा नहीं चाहा गया है। जिससे न्यायाहित में ऐसी स्थिति में उक्त भूमि का तकासमा किया जाना न्यायोचित प्रतीत नहीं होता है। ऐसे में मुताबिक रिपोर्ट तहसीलदार चौमूं नया दावा लाने की छूट के साथ

म न
सहायक कलेक्टर (ग्रास्ट ट्रेक)
चौमूं जयपुर

वादी का वाद इसी स्तर पर खारिज किया जाता है। रिपोर्ट डिक्री का जुज रहेगा। पर्चा डिक्री जारी है। पत्रावली फैसल शुमार होकर दर्ज नम्बर से कम हो तथा दाखिल दफतर हो।

निर्णय आज दिनांक 24.10.2025 को मेरे द्वारा लिखाया जाकर खुले न्यायालय में सुनाया गया।


सहायक कलक्टर
(फा० ट्रे०/मुख्यालय)चौमूँ

डिक्री मुकदमा इब्तदाई
(आदेश 20 के नियम 6 और 7)
न्यायालय सहायक कलेक्टर(फा0ट्रै0) चौमूं, जिला-जयपुर
पीठासीन अधिकारी :-श्रीमती कनक जैन(R.A.S.)

मुकदमा नं०:-193/2024

उनवान

श्यामसुन्दर पुत्र सत्यनारायण जाति नाई, निवासी ग्राम निवाणा, तहसील चौमूं, जिला जयपुर।

-वादी-

बनाम

1. रामकिशोर पुत्र सत्यनारायण जाति नाई, निवासी ग्राम निवाणा, तहसील चौमूं, जिला जयपुर।
2. रेखा पुत्री सत्यनारायण पत्नि महेश सैन, जाति नाई, निवासी ग्राम खूड, तहसील दांतारामगढ, जिला सीकर
3. रेणु पुत्री सत्यनारायण पत्नि कैलाश चन्द जाति नाई, निवासी ग्राम खूड, तहसील दांतारामगढ, जिला सीकर।
4. राजस्थान सरकार जरिये लैण्ड होल्डर तहसीलदार, तहसील चौमूं, जिला जयपुर।
5. उपपंजीयक, पंजीयन कार्यालय चौमूं/खेजरोली, जिला जयपुर।

-प्रतिवादीगण

वाद बाबत तकासमा व स्थायी निषेधाज्ञा
अन्तर्गत धारा 53 व 188 रा0का0अधिनियम 1955

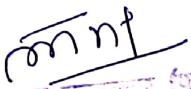
मुकदमा नं०:-193/2024

ये मुकदमा आज वास्ते इनफिसाल कई रूबरू हाजरी वकील वादीगण व प्रतिवादीगण मिनजामिन मुद्दई रूबरू श्रीमती कनक जैन आरएएस मिनजामिन मुद्दायलह पेश होकर हुक्म दिया जाता है व डिक्री दी जाती है कि-

वादी का वाद तकासमा एवं स्थाई निषेधाज्ञा का है, लेकिन मुताबिक रिपोर्ट तहसीलदार चौमूं वादी द्वारा उक्त पत्रावली तकासमा करवाने हेतु पेश नहीं किया गया है। उक्त पत्रावली में वादी के द्वारा तकासमा नहीं चाहा गया है। जिससे न्यायाहित में ऐसी स्थिति में उक्त भूमि का तकासमा किया जाना न्यायोचित प्रतीत नहीं होता है। ऐसे में मुताबिक रिपोर्ट तहसीलदार चौमूं नया दावा लाने की छूट के साथ वादी का वाद इसी स्तर पर खारिज किया जाता है। रिपोर्ट डिक्री का जुज रहेगा।

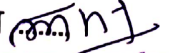
निजीमबलिक बाबतखर्चा इस मुकदमे का मय सूद वगैरह
..... फीसदी सालाना आज की तारीख वसूलियाय तक को अदा करें।

बसरत मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत के आज तारीख 24.10.2025 को जारी किया गया।


सहायक कलेक्टर (फास्ट ट्रेक)
चौमूं जयपुर

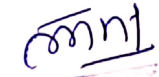
मोहर

मुकदमा सं०-193/2024
उनवान-श्यामसुन्दर बनाम रामकिशोर
निर्णय दिनांक-24.10.2025

दस्तखत 
सहायक कलक्टर
ओहदा.....चौमूँ जयपुर

वाद के खर्चे

वादी		प्रतिवादी	
	रुपया		रुपया
1. स्टाम्प अर्जी दावा	2	1. स्टाम्प अर्जी दावा	2
2. स्टाम्प वकालतनामा	1	2. स्टाम्प वकालतनामा	
3. स्टाम्प वजह सबूत		3. महन्ताना वकील	
4. महन्ताना वकील		4. खर्चा गवाहन	
5. खर्चा गवाहन		5. फीस कमिश्नर	
6. फीस कमिश्नर		6. बाबत इजराय	
7. बाबत इजराय		हुक्मनामा	
हुक्मनामा		7. मुतफरिक	
8. मुतफरिक			
जोड़	3	जोड़	2


सहायक कलक्टर (क्राइम ट्रेल)
चौमूँ जयपुर